छपाई कला एवं अन्य क्षेत्र में पद्मश्री एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त समाजबन्धु -

पद्मश्री सम्मान :-

पद्मश्री, भारत सरकार द्वारा आम तौर पर सिर्फ भारतीय नागरिकों को दिया जाने वाला सम्मान है जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि, कला, शिक्षा, उद्योग, साहित्य, विज्ञान, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा और सार्वजनिक जीवन आदि में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए दिया जाता है। भारत के नागरिक पुरस्कारों के पदानुक्रम में यह चौथा पुरस्कार है|इस समाज ने दो सपूत देश को ऐसे दिये जिनको कला के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान प्राप्त हुआ |

1. श्रीलाल जोशी, भीलवाड़ा,राजस्थान

भीलवाड़ा,राजस्थान के श्रीलाल जोशी को फड़चित्रकारी (कला)के क्षेत्र में 2006 में राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम ने पद्मश्री सम्मान प्रदान किया | उन्होंने फड़ चित्रकारी में देश में ही नहीं अपितु विदेश में अपनी अमिट छाप छोड़ी है| 2005 में उनको राष्ट्रपति ने शिल्पगुरु पुरस्कार से सम्मानित किया| 1984 में वे राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुए| उनकी कलाकृतियों का प्रदर्शन 20 से अधिक देशों में हुआ| विश्व के प्रसिद्ध संग्रहालयों में उनकी कलाकृतियां लगी हुई हैं| उन्होंने देवनारायण महागाथा, हल्दीघाटी की लड़ाई और पद्मिनी का जौहर, महाराणा प्रताप का जीवन, पृथ्वीराज चौहान, रानी हाडा, रानी पद्मिनी, ढोला मारू , अमर सिंह राठौड़, , गौतम बुद्ध, महावीर , रामायण ,महाभारत,गीत गोविंदम की कहानी,

आदि धारावाहिक के प्रसंगों के आधार पर फड़ चित्रकला प्रस्तुत की| 5 मार्च 19 29 को जन्मे श्री लाल जोशी का 89 वर्ष की उम्र में 3 मार्च 2018 को निधन हो गया|

2.श्री राम किशोर छीपा (डेरेवाला)

प्राप्त जानकारी के अनुसार छपाई कला से जुड़े दस्तकारों में श्री राम किशोर छीपा(डेरेवाला), बगरू,जयपुर ,राजस्थान को 2009 में राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने पद्मश्री सम्मान प्रदान किया | इनको राष्ट्रपति पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है|

राष्ट्रपति पुरस्कार

छपाई कला के क्षेत्र में राजस्थान के कई बंधुओं को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ है| राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त समाज बंधु निम्न प्रकार है|

श्री शांति लाल जोशी ,शाहपुरा(राष्ट्रपति पुरस्कार फड़चित्रकारी),श्री दुर्गा लाल जोशी, शाहपुरा(राष्ट्रपति पुरस्कार फड़चित्रकारी), स्व. श्री राधा मोहन उदयवाल, सांगानेर(राष्ट्रपति पुरस्कार), स्व. श्री राम गुलाम छीपा, बगरू(राष्ट्रपति पुरस्कार), स्व. श्री राम स्वरूप कोठीवाल, बगरू(राष्ट्रपति पुरस्कार), श्रीमती भंवरी देवी पत्नी स्व. श्री रामस्वरूप कोठीवाल, बगरू(राष्ट्रपति पुरस्कार), श्री लालचंद डेरेवाला, बगरु (राष्ट्रपति पुरस्कार), श्री दिगंबर मेडतवाल,बगरु(राष्ट्रपति पुरस्कार), श्री अवधेश कुमार पांडे, सांगानेर(राष्ट्रपति पुरस्कार), श्री बृज बल्लभ उदयपुर, सांगानेर(राष्ट्रपति पुरस्कार), श्री कुंज बिहारी सोनावा, सांगानेर(राष्ट्रपति पुरस्कार), श्री संतोष धनोपिया, सांगानेर(राष्ट्रपति पुरस्कार), श्री मुकेश धनोपिया, सांगानेर(राष्ट्रपति पुरस्कार) एवं श्री भैरूलाल छीपा, अकोला(राष्ट्रपति पुरस्कार)|

कृषि में हिन्दी लेखन के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने स्वामी केशवानंद

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ. बी.आर.

छीपा को जून 2017 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया है। केन्द्रीय हिंदी सेवा संस्थान की ओर से राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कुलपति डॉ. छीपा को सरदार वल्लभ भाई पटेल पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार के रूप में उन्हें पांच लाख रुपए की राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।डॉ. छीपा को यह सम्मान कृषि शिक्षा, शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक शब्दावली से युक्त अंग्रेजी शब्दों की जगह हिन्दी शब्दों के चलन को बढ़ावा देने और हिन्दी के जन-जन तक प्रचार-प्रसार के लिए दिया गया है। कृषि क्षेत्र में सम्मानित होने वाले वे राजस्थान के पहले कृषि वैज्ञानिक हैं, जिनको यह सम्मान मिला है।

इस क्षेत्र में जानकारी संकलित करने का प्रयास किया गया है परंतु यह जानकारी अभी पूरी नहीं है| यदि समाज बंधुओं को इसमें कुछ और जानकारी जोड़नी है या कुछ संशोधन करवाना है तो मय प्रमाण के भेजने का कष्ट करें|